**A–1065**

**Total Pages : 2** **Roll No. .....**

# VAC-10

## भारतीय वांगमय में नैतिक शिक्षा

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

**नोट :** यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

### खण्ड–क

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** 2×26=52

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वेदों का परिचय देते हुए अथर्ववेद में प्रतिपादित नैतिक शिक्षा का वर्णन करें।

2. स्मृति को परिभाषित करते हुए उसमें प्रतिपादित नैतिक मूल्यों का उल्लेख कीजिये।

3. महाभारत के सन्दर्भों को उद्धृत करते हुए आचार के महत्व को प्रतिपादित कीजिये।

4. श्रीमद्भवगवद्गीता की महिमा का वर्णन करते हुए उसमें प्रतिपादित नैतिक शिक्षा का वर्णन करें।

5. बाल्मीकी रामायण के अनुसार श्रीराम के जीवन से मिलने वाली नैतिक शिक्षा पर प्रकाश डालिये।

## खण्ड–ख

### लघु उत्तरीय प्रश्न 4×12=48

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ऋग्वेद के अनुसार नैतिक शिक्षा का वर्णन करें।

2. मानव जीवन में नैतिक शिक्षा का क्या महत्व है ? अपने शब्दों में लिखिये।

3. श्रीमद्भावगवत महापुराण के अनुसार नैतिक शिक्षा का उल्लेख करें।

4. महाभारत के अनुसार क्षमा एवं त्याग का वर्णन करते हुए उसका महत्व बतलाइये।

5. स्मृति ग्रन्थों का परिचय दीजिये।

6. नैतिक शिक्षा की दृष्टि से भगवद्गीता के महत्व को रेखांकित कीजिये।

7. पराशरस्मृति के अनुसार नैतिक शिक्षा का मूल्यांकन करें।

8. कठोपनिषद का परिचय दीजिये।

**********